

शासकीय मानकुरवाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय
जबलपुर (म.प्र.)



प्रतिवेदन

मध्यप्रदेश इतिहास परिषद 37 वॉ अधिवेशन
एवं

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

‘ब्रिटिश काल में जन आन्दोलन एवं अंग्रेजों का दमन चक्र’

22-23 फरवरी 2019

- आयोजक -

इतिहास विभाग

शासकीय मानकुरवाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

**मध्यप्रदेश इतिहास परिषद् 37 वॉ अधिवेशन
एवं
राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
'ब्रिटिश काल में जन आन्दोलन एवं अंग्रेजों का दमन चक्र'
22-23 फरवरी 2019**



म.प्र. इतिहास परिषद् के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन अतिथिगण

क्रमशः बायें से प्रो. आर.के. शर्मा, विशिष्ट अतिथि, प्रो. मुकेश कुमार, मुख्य वक्ता, डॉ. गीता श्रीवास्तव, प्राचार्य एवं संरक्षक तथा कार्यक्रम की अध्यक्ष, प्रो. के.एल.जैन, अति. संचालक जबलपुर, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रो. बृजेश श्रीवास्तव अध्यक्ष म.प्र. इतिहास परिषद्, प्रो. नवीन गीडियन, सचिव म.प्र. इतिहास परिषद् एवं संचालन करती हुई प्रो. स्मृति शुक्ल

प्रतिवेदन

इतिहास विभाग शासकीय मानकुरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश इतिहास परिषद के 37 वें अधिवेशन का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 22-23 फरवरी 2019 को किया गया। इसी अवसर पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी- 'ब्रिटिश काल में जन आन्दोलन एवं अंग्रेजों का दमन चक्र' का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को ब्रिटिश काल में हुये दमन, शोषण एवं अत्याचारों से अवगत कराना था। इस विषय को इसलिये लिया गया क्योंकि 2019 जालियॉवाला बाग हत्याकांड की 100 वीं वर्षगांठ है तथा जालियॉवाला बाग हत्याकांड ब्रिटिश दमन चक्र का बड़ा उदाहरण है।

संगोष्ठी का उद्घाटन -

दिनांक 22 फरवरी को पूर्वान्ह 10:00 बजे म.प्र. इतिहास परिषद का उद्घाटन प्रो. के.एल.जैन, अतिरिक्त संचालक उच्चशिक्षा, जबलपुर संभाग के मुख्य आतिथ्य, प्रो. आर.के. शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. गीता श्रीवास्तव, प्राचार्य शास.मानकुरबाई महाविद्यालय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रो. मुकेश कुमार मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार) को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्मृति शुक्ला, प्राध्यापक हिन्दी विभाग द्वारा किया गया। सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत महाविद्यालय के संगीत विभाग के प्राध्यापकों के निर्देशन में संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण प्रो. आर.एन. श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। इसके उपरान्त मध्यप्रदेश इतिहास परिषद के सचिव प्रो. नवीन गिडियन द्वारा परिषद का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् म.प्र. इतिहास परिषद के अध्यक्ष प्रो. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.के. शर्मा एवं मुख्य अतिथि प्रो. के.एल. जैन का उद्बोधन हुआ। इसके पश्चात् डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव की पुस्तक 'गोवा सत्याग्रह', प्रो. बी.के. श्रीवास्तव

पुरातत्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर द्वारा की गई तथा संचालन डॉ. मीना श्रीवास्तव प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, शास. के.आर.जी. महाविद्यालय, ग्वालियर द्वारा किया गया। इस सत्र में भी अनेक शोधपत्रों का वाचन किया गया।

चतुर्थ सत्र -

संगोष्ठी का चतुर्थ तकनीकी सत्र 12:30 से 2:00 बजे तक सम्पन्न हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. अनिल दुबे प्राध्यापक, इतिहास, भोपाल एवं संचालन डॉ. मधुबाला कुलश्रेष्ठ प्राध्यापक इतिहास, ग्वालियर द्वारा किया गया। इस अन्तिम तकनीकी सत्र में अनेक प्राध्यापक एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

समापन सत्र-

दिनांक 23 फरवरी 2019 को अपराह्न भोजनोपरान्त संगोष्ठी का समापन सत्र आयोजित किया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री विनय कुमार सक्सेना विधायक उत्तर-मध्य, जबलपुर, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. लीला भलाबी, प्राचार्य शास. मो.ह.गृहविज्ञान महिला महाविद्यालय, जबलपुर एवं प्रो. सुरेश मिश्र, भोपाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संगोष्ठी की संरक्षक डॉ. गीता श्रीवास्तव द्वारा की गई।

समापन कार्यक्रम में डॉ. नवीन गिडियन, सचिव म.प्र. इतिहास परिषद द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी अवसर पर डॉ. वन्दना गुप्ता की पुस्तक 'कलचुरी कालीन धार्मिक स्थिति' का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों के उद्बोधन के उपरान्त स्थानीय सचिव डॉ. वन्दना गुप्ता द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

दो दिवसीय इस शोध संगोष्ठी में 143 सहभागियों द्वारा पंजीयन कराया गया। बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं शोधार्थी देश व प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से सम्मिलित हुये। लगभग 50 शोधपत्रों का वाचन संगोष्ठी में किया गया।

की पुस्तक 'मन पर नियंत्रण' एवं इतिहास विभाग की अतिथि विद्वान डॉ. रंजना जैन की पुस्तक 'त्रिपुरी के कलचुरियों की विरासत' का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।

इसके उपरान्त प्रो. मुकेश कुमार ने 'की नोट एंड्रेस' प्रस्तुत करते हुये ब्रिटिशकाल में अंग्रेजों के दमनचक्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। तदुपरान्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी। अन्त में स्थानीय सचिव प्रो. वन्दना गुप्ता ने आभार प्रदर्शन किया।

प्रथम सत्र - (12:30 से 2:00 बजे तक)

उद्घाटन सत्र के उपरान्त संगोष्ठी का प्रथम सत्र आयोजित किया गया, इस प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता म.प्र. इतिहास परिषद के वरिष्ठ सदस्य प्रो. सुरेश मिश्र एवं संचालन प्रो. सुधाकरनाथ मिश्र, विभागाध्यक्ष प्रा.भा. इतिहास विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा किया गया। कई शोध पत्र इस प्रथम सत्र में प्रस्तुत किये गये।

द्वितीय सत्र - (2:30 से 5:30 बजे तक)

मध्याह्न भोजन के उपरान्त 2:30 बजे से संगोष्ठी का दूसरा तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इसकी अध्यक्षता डॉ. रामकुमार अहिरवार, विभागाध्यक्ष प्रा.भा. इतिहास विभाग वि.वि., उज्जैन एवं डॉ. शांतिदेव सिसौदिया सहा. प्राध्यापक प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग वि.वि., उज्जैन द्वारा किया गया। इस सत्र में बड़ी संख्या में प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

तृतीय सत्र -

दिनांक 23.02.2019 को प्रातः 10:30 बजे से संगोष्ठी का तृतीय सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. नागेश दुबे विभागाध्यक्ष, प्रा.भा. इतिहास संस्कृति एवं

उद्घाटन सत्र में अतिथियों के उद्बोधन



उद्घाटन सत्र में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये प्रो. नवीन गींडियन सचिव, म.प्र. इतिहास परिषद्



संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि प्रो. के.एल. जैन अति. संचालक उच्चशिक्षा जबलपुर संभाग, जबलपुर



संगोष्ठी के समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुई डॉ. गीता श्रीवास्तव, प्राचार्य एवं संरक्षक



समापन अवसर पर आभार प्रदर्शन करती हुई प्रो. वन्दना गुप्ता स्थानीय सचिव

दैनिक भास्कर समाचार पत्र
जबलपुर, दिनांक 23 फरवरी 2019

जीवन में ऐसा लिखें, जिस पर कुछ किया जा सके व ऐसा करें, जिसको पढ़ा जा सके

मानसुंदर बाई कॉलेज में इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का शुभारंभ : वक्ताओं ने रही विचार



सिटी स्पोर्ट्स, जबलपुर। संगोष्ठी के माध्यम से वह चीज सामने आनी चाहिए, जिसकी हम अपेक्षा करते हैं। सांस्कृतिक चर्चा का सार लिखित रूप से सामने आए, जिससे वह जनहितकारी हो सके। वर्तमान समय में छोटी-छोटी बातों से समझौता करने से अवमूल्यन हो रहा है। जीवन में ऐसा लिखें, जिस पर कुछ किया जा सके व ऐसा करें, जिसको पढ़ा जा सके। उक्त विचार मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. केएल जैन ने व्यक्त किए। अवसर था मानसुंदर बाई कॉलेज में मध्य प्रदेश इतिहास परिषद के 37वें अधिवेशन के अवसर पर इतिहास विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर का, जिसका विषय जलियावाला बाग हत्याकांड शताब्दी वर्ष में ब्रिटिश काल में जन आंदोलन एवं अंग्रेजों का दमनचक्र रहा।

विशेषज्ञों ने रखी बात | संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि पुरातत्ववेत्ता डॉ. आर. के. शर्मा रहे। अद्यावतला प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव ने की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में विभागाध्यक्ष इतिहास संगण्य विधि बोधगया विहार के प्रो. मुकेश कुमार रहे। संगोष्ठी का संयोजन कॉलेज विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना गुप्ता ने किया। इस अवसर पर तीन पुस्तकों गोवा सत्याग्रह लेखक डॉ. आरएन श्रीवास्तव, मन का नियंत्रण प्रो. बीके श्रीवास्तव तथा त्रिपुरी के कर्चुरियों की विरासत डॉ. संजना जैन, का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। पी-5

हम अनुवादों में जी रहे हैं

प्रो. मुकेश कुमार ने कहा कि हम अनुवादों में जी रहे हैं। इस संगोष्ठी के सार को सामने लाया जाए, ब्रिटिश काल के उपनिवेशवाद पर 1792 में कहा गया था कि ब्रिटिश सरकार की विषय निचयति है कि अंग्रेजों भारत आकर शासन करें और भारतीयों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलवाएं। विशिष्ट अतिथि श्री शर्मा ने कहा कि दमनचक्र की चीज बहुत अच्छी है, शोधकर्ता इस पर शोध अवश्य करें। नए इतिहास परिषद के सचिव डॉ. नवीन शिंडियल ने इतिहास परिषद के प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्री के श्रीवास्तव ने कहा कि विषय का चयन बहुत ही अच्छा है। प्रो. सुदेश कुमार मिश्र एवं डॉ. एसएन मिश्र ने सांगठनिक शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम में डॉ. आरएन श्रीवास्तव, डॉ. शोभना पांडे, डॉ. अर्चना देवसिया, डा. एसएन परते, डॉ. रंजना जैन का योगदान रहा। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुधा मोहता, डॉ. रश्मि चौबे डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. मुक्ता ब्यौहार, डॉ. कामना श्रीवास्तव आदि का सहयोग रहा। संचालन डॉ. स्मृति सुक्ल एवं आभार प्रदर्शन डॉ. वंदना गुप्ता ने किया।

city event